लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | वर्ष- 14 | अंक- 82 | मूल्य- ₹ 3.00/- | पेज - 12 | सोमवार | 02 जनवरी, 2023

फास्ट फॉरवर्ड

तीन जनवरी को हैदराबाद जाएंगे नगर के कृषि वैज्ञानिक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित दरियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से 10 किसानों की टीम भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में दो दिवसीय मोटे अनाजों पर प्रशिक्षण पर 3 जनवरी मंगलवार को वैज्ञानिकों के नेतृत्व में जाएगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। जिसके लिए पिछले वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय मोटे अनाजों पर कार्यशाला आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने बताया कि मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत की ओर से भेजे गए प्रस्ताव को विश्व के 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया था। कुलपति डॉ.सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 को मनाने का उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ तथा इसकी खेती एवं गुणवत्ता के लिए उपयुक्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि 10 कृषकों का ये दल वहां ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, कंगनी की उन्नतसील तकनीकियां सीखेंगे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार 01 जनवरी 2023 | अंक - 348

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID

कानपुरः वर्ष 2023 अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष पर सीएसए का आगाज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दरियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से 10 किसानों की टीम भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में दो दिवसीय मोटे अनाजों पर प्रशिक्षण हेतु दिनांक 3 जनवरी 2023 को वैज्ञानिकों के नेतृत्व में रवाना हो रही है ज्ञातव्य हो कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। इसीलिए गत वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय मोटे अनाजों पर कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसमें प्रदेश के कई जनपदों के किसानों, देश के उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की थी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर सिंह ने बताया कि मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत की ओर से पेस एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव का विश्व के 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया था। कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 को मनाने का उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ तथा इसकी खेती एवं गुणवत्ता के लिए उपयुक्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। निदेशक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि 10 कृषकों का ये दल भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी,कोंगनी, कुटकी, कोदों, सांवाँ आदि फसलों की उन्नतसील तकनीकियों एवं मूल्य संवर्धन को सीखेंगे। तत्पश्चात अपने जनपद में मास्टर ट्रेनर के रूप में दूसरे कृषकों को नवीनतम तकनीकी से ओतप्रोत करेंगे। जिससे मोटे अनाजों का क्षेत्रफल बढ़ेगा। क्योंकि कोरोनावायरस आने के बाद मोटे अनाज इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाने लगा है डॉक्टर सिंह ने कहा कि मोटे अनाज को प्रोत्साहन समय की मांग है क्योंकि जीवन शैली में बदलाव के कारण सामने आई कई बीमारियों को रोकने में सक्षम है। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ नीलिमा कुंवर ने बताया कि कृषक टीम पूर्णतःवैज्ञानिकों के पर्यवेक्षण में रहेंगे।

नगर आज

कानपुर

2 जनवरी 2023 4

ठंड में पशुओं का बचाव आवश्यक ,रोज खिलायें 300 ग्राम गुड़

❑ वैज्ञानिक ने ने जारी की पशु पालकों के लिए एडवाइजरी

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 1 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के डॉ पी.के. उपाध्याय ने पशु पालकों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की सर्दियों में पशुओं के बचाव के लिए अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सही रखने के साथ ही साथ दुग्ध उत्पादन पर भी प्रभाव न पड़े। सर्दी से बचाव के लिए रोज कम से तीन सौ ग्राम गुड़ खिलाना चाहिये। वैज्ञानिक ने बताया कि पशुपालकों को इस समय सचेत रहने की आवश्यकता है इसके अतिरिक्त यदि पशुओं के नाक व आंखों से पानी आ रहा हो तथा पशु को सांस लेने में परेशानी हो रही हो व पशु कांपने लगा है तो पशुपालक को समझ लेना चाहिए कि पशुओं को निश्चित रूप से सर्दी लग गई है।उन्होंने सलाह दी है कि पशुओं को सीधी सर्दी से बचाने के लिए पशुओं को ऐसे स्थान पर रखें कि पशु को सीधे हवा का असर न हो।पशुशाला के हमेशा दरवाजे व खिड़कियों पर जूट के बोरे या प्लास्टिक के पर्दे लगा दे। उन्होंने सावधान करते हुए बताया कि रात में पर्दे गिरा कर रखें व दिन में पर्दे समेट दें। जिससे दिन में पशुओं को सीधे सूर्य की धूप मिलेगी। पशुशाला में अधिक से अधिक गर्माहट रखी जाए। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि पशुशाला की साफ-सफाई तथा 2 या 3 दिन पर कीटाणु नाशक से धुलाई करें। पशुओं को सर्दी में अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसके लिए 300 ग्राम गुड प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य खिलाये। तथा हमेशा पशुओं को ताजा पानी पिलाएं ठंडा पानी कदापि न दें। इसके अतिरिक्त 1 किलो अतिरिक्त दाना की भी आवश्यकता होती है। यदि पशुओं में अफरा रोग हो जाता है तो पशुओं को 400 से 500 ग्राम सरसों का तेल तथा 50 से 60 मिली तारपीन का तेल पिलाने से आराम मिलता

■ आंख व नाक से पानी आना सर्दी के लक्षण

अधिकतम तापमान 21.00° >> न्यूनतम तापमान 08.00° >> सूर्योदय 6:55 >> सूर्यास्त 17:24 >> डॉलर 82.75 >> यूरो 88.

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-90 | सोमवार 02 जनवरी 2023 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष पर 10 कृषकों का दल हैदराबाद के लिए कल होगा रवाना

संरा ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष किया है घोषित

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित दरियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से 10 किसानों की टीम भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में दो दिवसीय मोटे अनाजों पर प्रशिक्षण हेतु 3 जनवरी को वैज्ञानिकों के नेतृत्व में रवाना होगी।

ज्ञातव्य हो कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। इसीलिए गत वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय मोटे अनाजों पर कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसमें प्रदेश के कई जनपदों के किसानों, देश के उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की थी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत की ओर से पेस एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया था।

उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव का विश्व के 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया था। कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष को मनाने का उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ तथा इसकी खेती एवं गुणवत्ता के लिए उपयुक्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। निदेशक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि 10 कृषकों का ये दल भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में मोटे अनाज जैसे ज्वार,बाजरा, मक्का, रागी, कंगनी, कुटकी, कोदो, साँवाँ आदि फसलों की उन्नतसील तकनीकियों एवं मूल्य संवर्धन को सीखेंगे। तत्पश्चात अपने जनपद में मास्टर ट्रेनर के रूप में दूसरे कृषकों को नवीनतम तकनीकी से ओतप्रोत करेंगे। जिससे मोटे अनाजों का क्षेत्रफल बढ़ेगा। क्योंकि कोरोनावायरस आने के बाद मोटे अनाज इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाने लगा है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि मोटे अनाज को प्रोत्साहन समय की मांग है क्योंकि जीवन शैली में बदलाव के कारण सामने आई कई बीमारियों को रोकने में सक्षम है। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ नीलिमा कुंवर ने बताया कि कृषक टीम पूर्णतः वैज्ञानिकों के पर्यवेक्षण में रहेंगे।

अमर उजाला कानपुर 02/01/2023

हैदराबाद में किसान सीखेंगे मोटे अनाज की तकनीक

संवाद न्यूज एजेंसी

सीएसए के दरियापुर केवीके से तीन को 10 किसानों का दल होगा रवाना

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के दरियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से 10 किसानों की टीम भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में दो दिवसीय मोटे अनाजों पर प्रशिक्षण लेगी।

तीन जनवरी को टीम वैज्ञानिकों के नेतृत्व में रवाना होगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 को मनाने का उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ और इसकी खेती एवं गुणवत्ता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि 10 किसानों का दल हैदराबाद में ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, कंगनी, कुटकी, कोदों, सांवा आदि फसलों की उन्नतशील तकनीक और मूल्य संवर्धन सीखेंगा। वहां से आने के बाद अपने जनपद में मास्टर ट्रेनर के रूप में दूसरे किसानों को नई तकनीक बताएंगे। डॉक्टर सिंह ने कहा कि मोटा अनाज बीमारियों को रोकने में सक्षम है।

मोटे अनाजों के प्रशिक्षण को 10 किसानों की टीम रवाना

❑ वर्ष 2023 अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष पर सीएसए का आगाज

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 1 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दरियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से 10 किसानों की टीम भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में दो दिवसीय मोटे अनाजों पर प्रशिक्षण के लिए 3 जनवरी 2023 को वैज्ञानिकों के नेतृत्व में रवाना हो रही है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। इसीलिए गत वर्ष विश्वविद्यालय की ओर एक दिवसीय मोटे अनाजों पर कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसमें प्रदेश के कई जनपदों के किसानों, देश के उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की थी। सीएसए के कुलपति डॉ डी. आर सिंह ने बताया कि मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत की ओर से पेस एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव का विश्व के 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया था। कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 को मनाने का उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ तथा इसकी खेती एवं गुणवत्ता के लिए उपयुक्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। निदेशक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि 10 कृषकों का ये दल भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में मोटे अनाज जैसे ज्वार,बाजरा, मक्का, रागी,कंगनी,कुटकी, कोदों, साँवाँ आदि फसलों की उन्नतसील तकनीकियों एवं मूल्य संवर्धन को सीखेंगे। तत्पश्चात अपने जनपद में मास्टर ट्रेनर के रूप में दूसरे कृषकों को नवीनतम तकनीकी से ओतप्रोत करेंगे। जिससे मोटे अनाजों का क्षेत्रफल बढ़ेगा। क्योंकि कोरोनावायरस आने के बाद मोटे अनाज इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाने लगा है।डॉक्टर सिंह ने कहा कि मोटे अनाज को प्रोत्साहन समय की मांग है क्योंकि जीवन शैली में बदलाव के कारण सामने आई कई बीमारियों को रोकने में सक्षम है। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ नीलिमा कुंवर ने बताया कि कृषक टीम पूर्णतः वैज्ञानिकों के पर्यवेक्षण में रहेंगे।

दैनिक जागरण कानपुर 02/01/2023

मोटा अनाज वर्ष शुरू, हैदराबाद में किसान लेंगे प्रशिक्षण

जासं, कानपुर : संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र से 10 किसानों की टीम भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में मोटे अनाजों पर प्रशिक्षण लेगी। तीन जनवरी को यह टीम कृषि विज्ञानियों के नेतृत्व में हैदराबाद रवाना होगी।

कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष विश्वविद्यालय

3 जनवरी को कृषि विज्ञानियों के साथ रवाना होगा किसानों का दल

की ओर से मोटे अनाजों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसमें प्रदेश के कई जिलों से किसानों व देश के विभिन्न संस्थानों से कृषि विज्ञानियों ने हिस्सा लिया था। अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने का उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ व इसकी खेती के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डा. अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि किसान भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान में मोटे अनाजों जैसे ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, कंगनी, कुटकी, कोदों, सावां आदि फसलों की उन्नत तकनीक व मूल्य संवर्धन के गुर सीखेंगे। इसके बाद विभिन्न जिलों में मास्टर ट्रेनर के रूप में दूसरे किसानों को प्रशिक्षित करेंगे। इससे मोटे अनाजों का क्षेत्रफल भी बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान मोटे अनाज इम्युनिटी बूस्टर के तौर पर उपयोगी साबित हुए हैं।

हिंदुस्तान कानपुर 02/01/2023

मोटा अनाज प्रशिक्षण को किसान जाएंगे हैदराबाद

कानपुर। देश में 2023 को मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इसके तहत सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के दस किसानों की टीम प्रशिक्षण लेने तीन जनवरी को भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद जाएगी। विवि इस अभियान को सफल बनाने के लिए कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में एक कार्यशाला का भी आयोजन कर रहा है, जिसमें किसान प्रतिभाग करेंगे।